<u>दिनांक 21–22 दिसम्बर 2015 तक जनपद बलरामपुर की भ्रमण आख्या।</u>

भ्रमणकर्ता टीम –

1. डा0 पंकज सक्सेना, महाप्रबन्धक, परिवार नियोजन।
2. राजीव कुमार दुबे, प्रोग्राम कोआर्डिनेटर चाइल्ड हैल्थ।

<u>सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रथम सन्दर्भन इकाई, तुलसीपुर बलरामपुर।</u>

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पर लगभग तीन सौ प्रसव प्रतिमाह कराये जाते है।

- आर0बी0एस0के0 टीम का भ्रमण कार्य संतोषजनक नहीं है। टीम सदस्यो द्वारा निर्धारित रजिस्टर का इस्तेमाल नही किया जा रहा है। टीम के स्टाफ में स्किल की समस्या है।
- प्रसव कक्ष में कैलीज पैड तथा चादरे अत्यधिक अच्छी अवस्था में थी, मैक्नीतोश थे, न्यूबोर्न बेबी कार्नर में स्थित रेडियेन्ट वार्मर क्रियाशील था, स्टाफ नर्स एस0बी0ए0/एन0एस0एस0के0/ एफ.आई.एम.एन.सी.आई. प्रशिक्षित स्टाफ तैनात था लेबर रूम रजिस्टर, रेफरल इन/आउट रजिस्टर मानक के अनुरूप नही भरा जा रहा था।

- नवजात को बी0सी0जी0 / पोलियो 0 डोज, विटामिन के0 नही लगाया जा रहा था।
- जे0एस0एस0के0 के अन्तर्गत गर्भवती महिलाओं को डाइटस की सुविधा उपलब्ध थी।
- 7 ट्रे लेबलिगं के साथ उपलब्ध थी परन्तु स्ट्रेलाइजड नही थी। स्टाफ नर्स द्वारा पार्टोग्राफ मेन्टेन किया जा रहा था।
- किसी भी स्टाफ को एच0एल0डी0 / स्टरलाइजेशन की जानकारी नही थी।
- प्रसव कक्ष से लगे एन0बी0एस0यू0 क्रियाषील नही है। उसे स्टाफ रूम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। स्टाफ को बैठने की अतिरिक्त सुविधा प्रदान करते हुये यूनिट को जनरेटर से बिजली की सुविधा उपलब्ध कराते हुए क्रियाषील किया जाय।
- माह नवम्बर 2015 तक 838 प्रसव हुए जिसमें से 519 लाभार्थियों के भुगतान किया गया और 319 लाभार्थियो का भुगतान लम्बित है।

- माह अगस्त में सघन दस्त नियन्त्रण पखवाडा मनाया गया परन्तु पखवाडे में आशाओं द्वारा किये गये कार्य का अभी तक भुगतान लम्बित था, इस सम्बन्ध में निर्देषित किया गया कि तत्काल प्रभाव से आषाओं का भुगतान करना सुनिष्चित करें।
- अब तक 43 मिनीलैप किये गये है, पी0पी0आई0यू0सी0डी0 अब तक 114 लगायी गई है जिसमें से अधिकतर का भुगतान लम्बित है।
- माडयुल 6/7 अन्तर्गत 180 आषा को प्रशिक्षित किया गया है जिसमें से 145 आषाओं द्वारा रिपोर्टिंग की जा रही है परन्तु उनका अभी तक भुगतान लम्बित है।
- पोलियो गतिविधि के अर्न्तगत आशाओं का भुगतान उनके खाते में न करके उनके सुपरवाइजर के खाते में भुगतान किया जा रहा है इस समब्ध में निर्देषित किया गया कि अब से आषा द्वारा किया जा रहे कार्य का भुगतान उनके खाते मे ही किया जाये।
- माह नवम्बर तक 6 मातृ मृत्यु हुई जिनका आडिट नही किया गया है।
- ब्लाक स्तर से एम0टी0सी0एस0 का वर्क प्लान जनरेट करके ए0एन0एम0 को नहीं दिया जा रहा है।एम0टी0सी0एस0 का डैशबोर्ड नहीं बनाया गया।
- प्रोटोकाल एवं आई0ई0सी0 अच्छी लगी हुई थी।

<u>जिला महिला चिकित्सालय, जनपद– बलरामपुर</u>

- जिला महिला चिकित्सालय,बलरामपुर में लगभग 250 से 300 प्रसव प्रतिमाह कराये जाते है।
- अब तक 114 सिजेरियन प्रसव कराये गये है।
- माह नवम्बर तक 283 च्च्न्ब्ब लगाये गये है।

- प्रसव कक्ष में बने एन0बी0सी0सी0 क्रियाषील पाया गया।
- एन0बी0सी0सी0 में अम्बुबैग 0,1 में केवल जीरो साइज का ही उपलब्ध था, लैरेन्गोस्कोप उक्त स्थान पर उपलब्ध नही था।

- प्रसव कक्ष में 7 ट्रे स्ट्रेलाइज्ड नही पायी गयी।
- प्रसव कक्ष से थोडी दूर पर एस0एन0सी0यू0 की स्थापना की गयी है जो बहुत ही अच्छी तरह से बनाया गया है, परन्तु दिषा निर्देशाानुसार स्थान उपलब्ध नही था उक्त के सम्बन्ध में सी0एमएस0 द्वारा अवगत कराया गया कि इकाई से सटे स्थान उपलब्ध है परन्तु फन्ड उपलब्ध न होने के कारण स्थापना का कार्य कराना सम्भव नही है उक्त के क्रम में सुझाव दिया गया कि आप के यहा उपलब्ध आर0के0एस0/अन्डाईड फण्ड से निर्माण कार्य कराना सुनिष्चित करें।
- एस0एन0सी0यू0 से सम्बन्धित उपकरणों की वेण्डर द्वारा सप्लाई करा दी गयी है और वेण्डर का भुगतान करा दिया गया है।

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी से एस0एन0सी0यू0 के मानव संसाधन की नियुिक्त के सम्बन्ध मे वार्ता की गयी तो उन्होनें अवगत कराया कि जिला अधिकारी महोदय के पास पत्रवाली भेजी गयी है जैसे ही आदेश प्राप्त होते है वैसे ही समाचार पत्रों में प्रकाषित कर दिया जायेगा।
- बायो मेडिकल वेस्ट के संदर्भ में कलर कोडड बिन पाये गये, तथा कचरे के निस्तारण की भी व्यवस्था थी।
- AFHS काउन्सलर,RMNCH+A काउन्सलर उपलब्ध थे।
- जे0एस0वाई0 का भुगतान पूरे जनपद में सबसे अधिक जिला अस्पताल में ही किया गया था।

पोषण पुर्नवास केन्द्र, जिला चिकित्सालय,जनपद–महराजगंज

- 10 बेड पोषण पुर्नवास केन्द्र क्रियाषील था। इकाई में मेडिकल आफिसर का पद रिक्त है।

- सभी स्टाफ प्रषिक्षित थे। सभी स्टाफ की स्किल अच्छी थी।
- भ्रमण के दौरान 3 बच्चें भर्ती पाये गये।
- अब तक इकाई में 18 कुपोषित बच्चें भर्ती किये गये थे। परन्तु बच्चें के माताओं का एवं आषा एव आगनबाडी द्वारा भर्ती किये गये बच्चों का अभी तक भुगतान लम्बित है
- भुगतान के सम्बन्ध में इकाई के क्लर्क को आदेशित किया गया कि तत्काल प्रभाव से सभी लोगो का भुगतान कराना सुनिश्चित करें ताकि समुदाय में गलत मैसेज ना जाये कि भर्ती के उपरान्त भी भुगतान नही किया जा रहा है।
- सी0एम0एस0 को अवगत कराया गया कि जनपद स्तर पर आयेजित होने वाली आषाओं एवं आगनबाडी की मासिक बैठक में इकाई के विषय में अवगत कराये की

इकाई में कुपोषित बच्चों का निषुल्क उपचार एवं बच्चे की मॉ को भोजन हेतु प्रतिदिन के हिसाब से रू 100 दिया जाता है।

- न्यूट्रीशनिस्ट को आदेषित किया सभी बच्चों की मॉ पासबुक की छायाप्रति लेना सुनिश्चित करें ताकि भुगतान करने में परेषानी न हो।

<u>प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बलरामपुर</u>

इकाई सरकारी विल्डिगं में क्रियाशील थी, साफ सफाई अच्छी थी, इकाई पर तैनात स्टाफ एस0बी0ए0 / एनएस0एस0के0 प्रशिक्षित था।

- अब तक कुल 413 समान्य प्रसव कराये गये है। जिसमें से 212 का भुगतान लम्बित था।

- गर्भवती महिलाओ के HB, Blood Group की जॉच नही हो रही है। स्टाफ के अनुसार एल0टी0 अधिकतर अनुपस्थित ही रहते है। जिसके कारण कोई भी जॉच नही हो पाती है।
- एन0बी0सी0सी0 में रेडिएण्ट वार्मर क्रियाषील नही था, अम्बुबैग जीरो साइज का था 1 साइज का उपलब्ध नही था।
- **प्र**सव कक्ष में प्रोटोकाल के अनुसार, डिलवरी ट्रे उपलब्ध थी। उपस्थित स्टाफ को डिलवरी से सम्बन्धित औजारों के विसंक्रमण के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। पार्टोग्राफ पूर्ण रूप से नहीं भरे जा रहे है।
- प्रसव,रेफरल इन,आउट रजिस्टर सही से नही भरा जा रहा है।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर अपडेशन नही किया जा रहा है।
- वार्ड में समुचित सफाई व्यवस्था थी।
- विटामिन के0 / जेन्टामाइसिन उपलब्ध नही थी। नवजात को मात्र बी0सी0जी0,पोलियो ड्राप ही दी जा रही है।
- कुल 226 आशाओं में 202 ही एक्टिव है।
- एच0बी0एन0सी0 में आशाओं का भुगतान माह अक्टुबर तक रू0 82250/– ही किया गया है।
- अब तक कुल 12 मैटरनल डेथ हुई लेकिन डेथ की आडिट नही किया जा रहा है।

राजीव कुमार दुबे	**डा0 पंकज सक्सेना**
कार्यक्रम समन्वयक(बाल स्वास्थ्य)	महाप्रबन्धक(परिवार नियोजन)

isz’kd]

miegkizcU/kd] ifjokj fu;kstu]
,l-ih-,e-;w-] ,u-vkj-,p-,e-]
y[kuÅA

lsok esa]

egkizcU/kd] ,e- ,.M bZ-]
,l-ih-,e-;w-] ,u-vkj-,p-,e-]
y[kuÅA

i=kad%& ,l0ih0,e0;w0@ @2015&16@ fnukad%

fo’k;%& <u>xksj[kiqj</u> e.My ds tuinksa esa fnukad 29 twu ls 01 tqykbZ 2015 rd fd;s x;s Hkze.k dh fujh{k.k vk[;k ds lEcU/k esaA

egksn;]

mi;qZDr fo’k; ds lacU/k esa voxr djkuk gS fd feश्ku funsश्kd] jk’Vªh; LOkkLF; feश्ku ds funsZश्k ds dze esa v/kksgLrk{kjh ,oa xfBr Vhe ds lnL;ksa }kjk fnukad 29 twu ls 01 tqykbZ 2015 rd xksj[kiqj e.My ds tuin egjktxat dk fujh{k.k fd;k x;k A

fujh{k.k vk[;k dh izfr bl i= ds lkFk layXu dj vkidks vkoश्;d dk;Zokgh gsrq izLrqr dh tk jgh gSA

layXud& fujh{k.k vk[;k

Hkonh;]

¼Mk0 iadt lDlsuk ½
miegkizcU/kd] ifjokj fu;kstu